इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान संस्थान ने स्पेशल ओलम्पिक्स भारत के साथ कॉलेज में प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की

Leave a Comment / न्यूज़ / By अजय नैथानी

संवाददाता

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान संस्थान, विकास पुरी दिल्ली, ने अपने बी.एस.सी., बी.पी.एड. और एम.पी.एड. विद्यार्थियों के लिए "विशेष समावेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम एकीकृत खेल : कौशल विकास" पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की। प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्घाटन स्पेशल ओलम्पिक्स भारत के राष्ट्रीय खेल निदेशक (महिला विभाग) श्रीमती एकता झा, (मीडिया प्रभारी), श्रीमती रमन रेखी, (क्षेत्र निदेशक) विक्रम सिंह तथा संस्थान के प्रधानाचार्य, (कार्यवाहक) प्रोफेसर संदीप तिवारी ने किया।

कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य विशेष आवश्यकताओं के विद्यार्थियों को खेलों के माध्यम से समाज की मुख्य धारा में लाना एवं उनका मानसिक, शारीरिक, भावनात्मक बौद्धिक एवं सामाजिक विकास करवाना। उनकी सिखाई के तरीकों मूल्यांकन, व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं को किस प्रकार से विकसित करने के तरीकों को, संस्थान के भविष्य के विद्यार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

कार्यक्रम के पहले दिन श्री विक्रम सिंह (क्षेत्र निदेशक स्पेशल ओलम्पिक भारत दिल्ली), श्रीमती एकता झा (वुमन नेशनल स्पोर्ट्स डायरेक्टर) एवं श्रीमती रमन रेखी (जॉइंट नेशनल डायरेक्टर) विशेषज्ञों के तौर पर उपस्थित रहे। उन्होंने अपने वक्तव्य में स्पेशल ओलम्पिक भारत के इतिहास, मिशन और मूल्यों को बताया गया। समावेशी खेलों की महत्ता तथा उनका प्रभाव स्पेशल नीड के बच्चों पर उनके व्यक्तित्व को विकसित करने में इस कार्यक्रम की महत्ता पर चर्चा की गई।

कार्यक्रम के दूसरे दिन श्री विक्रम सिंह (क्षेत्र निदेशक, स्पेशल ओलम्पिक भारत, दिल्ली) विशेषज्ञ के तौर पर कार्यक्रम की कमान संभाली। श्री विक्रम सिंह ने कार्यशाला के माध्यम से छात्रों को बौद्धिक अक्षमता के बच्चों को किस प्रकार समूह में विभिन्न तकनीकों एवं ड्रिल का प्रयोग कर प्रभावशाली प्रशिक्षण द्वारा शिक्षित किया।

कार्यक्रम के तीसरे दिन श्री विक्रम सिंह क्षेत्र (निदेशक, स्पेशल ओलम्पिक भारत, दिल्ली) विशेषज्ञ के तौर पर उपस्थित रहे। साथ ही इस कार्यक्रम में स्पेशल ओलम्पिक 2023 बर्लिन से लौटे भारत के स्पेशल नीड के ख़िलाड़ी, शिवानी, आशीष उज्जवल, स्वराज सिंह, गुनेशियन सिंह, सुहेलिया और प्रिंस सोलंकी का संस्थान ने स्वागत किया। इन सभी खिलाड़ियों ने विभिन्न खेल क्रियाओं में बी.एस.सी., बी.पी.एड. और एम.पी.एड. विद्यार्थियों के साथ भाग लिया। संस्थान के विभिन्न प्राध्यापकों ने भी मनोरंजन खेलों में भाग लिया। इस अवसर पर रिले रेस का आयोजन किया गया जिसमे तीन समूहों में प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रत्येक समूह की संरचना में स्पेशल नीड के बच्चे (2) संस्थान के सकुशल छात्र (2) का प्रावधान रखा गया।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्पेशल नीड के बच्चों और सकुशल छात्रों के बीच में सामंजस्य को स्थापित करना हैं। स्पेशल नीड के प्रशिक्षकों/अध्यापकों को भी अपने धैर्य, प्यार, सहनशीलता व अपने भावों पर नियंत्रित कर खुद को उनके जैसा महसूस करना होगा व निस्वार्थ भाव से सेवा द्वारा स्पेशल नीड के बच्चों को आगे बढ़ाना होगा। अंत में कार्यक्रम की संचालक प्रोफेसर गौरी चक्रबोर्ती ने सभी विशेषज्ञों एवं अतिथियों का धन्यवाद कर कार्यक्रम का समापन किया।

UNI
BREVITY
ACCURACY
SPEED
यूनीवार्ता
भारत की अग्रणी संवाद समिति
Friday, Jul 14 2023 | Time 22:52 Hrs(IST)

इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान संस्थान ने आयोजित की प्रशिक्षण कार्यशाला

नई दिल्ली 14 जुलाई (वार्ता) इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान संस्थान ने अपने बी.एस.सी., बी.पी.एड. और एम.पी.एड. विद्यार्थियों के लिए "विशेष समावेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम एकीकृत खेल : कौशल विकास" पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की।

प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्घाटन स्पेशल ओलंपिक्स के राष्ट्रीय खेल निदेशक (महिला विभाग) एकता झा, (मीडिया प्रभारी), रमन रेखी, (क्षेत्र निदेशक) विक्रम सिंह तथा संस्थान के प्रधानाचार्य, (कार्यवाहक) प्रोफेसर संदीप तिवारी ने किया।

हिंदुस्थान समाचार एजेंसी

इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान संस्थान ने आयोजित की तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला

नई दिल्ली, 14 जुलाई (हि.स.)। इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान संस्थान, विकास पुरी दिल्ली, ने अपने बी.एस.सी., बी.पी.एड. और एम.पी.एड. विद्यार्थियों के लिए "विशेष समावेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम एकीकृत खेल : कौशल विकास" पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की।

खेल टुडे Khel Today
Khel Today

इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान संस्थान ने स्पेशल ओलंपिक्स भारत के साथ कॉलेज में विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की

BY KHELTODAY JULY 14, 2023

बी.एस.सी., बी.पी.एड. और एम.पी.एड. विद्यार्थियों को "विशेष समावेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम एकीकृत खेल: कौशल विकास" की ट्रेनिंग दी

खेल टुडे ब्यूरो

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान संस्थान, विकास पुरी दिल्ली, ने अपने बी.एस.सी., बी.पी.एड. और एम.पी.एड. विद्यार्थियों के लिए "विशेष समावेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम एकीकृत खेल : कौशल विकास" पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला 5 जुलाई से 7 जुलाई 2023 का कार्यक्रम अपने मैदान एवं सभागार में कराया।

प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्घाटन स्पेशल ओलंपिक्स भारत के राष्ट्रीय खेल निदशक (महिला विभाग) श्रीमती एकता झा, (मीडिया प्रभारी) , श्रीमती रमन रेखी, (क्षेत्र निदेशक) विक्रम सिंह तथा संस्थान के प्रधानाचार्य, (कार्यवाहक) प्रोफेसर संदीप तिवारी ने किया।

समाचार सार

रोहित शर्मा ने चकनाचूर किया सचिन का रिकॉर्ड

वेस्टइंडीज के खिलाफ डोमिनिका में खेले गए पहले टेस्ट मैच में टीम इंडिया की पिक्चर सुपरहिट रही। एकतरफा मुकाबले में भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज को एक पारी और 141 रन से रौंदा। बल्लेबाजी में यशस्वी जायसवाल का जलवा रहा, तो गेंदबाजी में रविचंद्रन अश्विन ने कहर बरपाया। बतौर कप्तान रोहित शर्मा का इस मुकाबले में हर दांव एकदम फिट बैठा और उन्होंने टेस्ट कैप्टन के तौर पर अपनी पांचवीं जीत का स्वाद चखा। पहले टेस्ट में जीत के साथ ही रोहित ने खास मामले में सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ दिया है। दरअसल, यह बात हर किसी को पता है कि बतौर कप्तान सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड कुछ खास नहीं रहा था। सचिन ने भारतीय टीम की 25 टेस्ट मैचों में कप्तानी की थी, जिसमें से टीम को सिर्फ 4 में ही जीत हाथ लगी थी। वहीं, रोहित ने महज 8 मैचों में सचिन को पछाड़ दिया है। बतौर भारतीय कप्तान रोहित के नाम अब टेस्ट क्रिकेट में सचिन तेंदुलकर से ज्यादा जीत दर्ज हो गई है। रोहित कैप्टन के तौर पर चार मैचों में टीम को जीत दिलाने वाले अजिंक्य रहाणे से भी आगे निकल गए हैं। क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में टीम इंडिया को सर्वाधिक जीत दिलाने का रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम है। कोहली ने भारत की 68 टेस्ट मैचों में कप्तानी की थी, जिसमें से टीम को 40 में जीत हाथ लगी थी। विराट ने जनवरी 2022 को टेस्ट कप्तानी छोड़ने का एलान किया था। कोहली के बाद इस लिस्ट में एमएस धोनी का नाम दर्ज है, जिनकी कप्तानी में टीम ने 60 मैचों में से 27 में जीत का स्वाद चखा। वहीं, इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर सौरव गांगुली हैं, जिन्होंने 49 मैचों में से टीम को 21 में जीत दिलाई। चैंपियन, फाइनल में एसेक्स को चटाई धूल, कीवी खिलाड़ियों ने लूटी महफिलइंग्लैंड की धरती पर खेले गए टी-20 ब्लास्ट टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में समरसेट ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए एसेक्स को 14 रन से हराया। समरसेट ने टी-20 ब्लास्ट के खिताब पर दूसरी बार कब्जा जमाया है। एसेक्स की टीम समरसेट से मिले 146 रन के लक्ष्य के जवाब में सिर्फ 131 रन बनाकर ऑलआउट हुई।

फाइनल में एसेक्स को चटाई धूल

इंग्लैंड की धरती पर खेले गए टी-20 ब्लास्ट टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में समरसेट ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए एसेक्स को 14 रन से हराया। समरसेट ने टी-20 ब्लास्ट के खिताब पर दूसरी बार कब्जा जमाया है। एसेक्स की टीम समरसेट से मिले 146 रन के लक्ष्य के जवाब में सिर्फ 131 रन बनाकर ऑलआउट हुई। खिताबी मुकाबले में समरसेट की जीत की कहानी टीम के दो गेंदबाजों ने लिखी। 146 रन का बचाव करने उतरी समरसेट की ओर से गेंदबाजी में मैट हेनरी ने जमकर कहर बरपाया और एसेक्स के टॉप ऑर्डर को पूरी तरह से धराशायी किया। हेनरी ने बेहतरीन बॉलिंग करते हुए अपने 3.3 ओवर के स्पेल में सिर्फ 24 रन खर्च किए और 4 विकेट अपने नाम किए। वहीं, हेनरी को अपने ही देश के स्पिन गेंदबाज ईश सोढ़ी का भी अच्छा साथ मिला। सोढ़ी अपने स्पेल में बेहद किफायती रहे और उन्होंने सिर्फ 22 रन खर्च करते हुए 3 बड़े विकेट निकाले। यानी दो कीवी गेंदबाजों ने मिलकर एसेक्स के सात बल्लेबाजों को पवेलियन की राह दिखाई।

प्रिय पाठकों, यदि आप भी अपने क्षेत्र की समस्याओं से परेशान हैं तो आप बेहिचक अपनी समस्या चित्र सहित हमारी मेल आईडी sandhya_virarjun@yahoo.com पर भेज सकते हैं। जिससे कि हम संबंधित विभाग को आपके द्वारा भेजी गई समस्याओं से अवगत करवाकर उनका निदान करा सकें।

नंबर 9899226223 पर भी अपनी समस्याएं भेज सकते हैं

इंदिरा गांधी संस्थान ने स्पेशल ओलंपिक्स भारत के साथ कॉलेज में प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की

नई दिल्ली (खे.सं.)। इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान संस्थान, विकास पुरी दिल्ली, ने अपने बी.एस.सी., बी.पी.एड. और एम.पी.एड. विद्यार्थियों के लिए विशेष समावेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम एकीकृत खेल = कौशल विकास पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की। प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्घाटन स्पेशल ओलंपिक्स भारत के राष्ट्रीय खेल निदेशक (महिला विभाग) श्रीमती एकता झा, (मीडिया प्रभारी), श्रीमती रमन रेखी, (क्षेत्र निदेशक) विक्रम सिंह तथा संस्थान के प्रधानाचार्य, (कार्यवाहक) प्रोफेसर संदीप तिवारी ने किया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य विशेष आवश्यकताओं के विद्यार्थियों को खेलों के माध्यम से समाज की मुख्य धारा में लाना एवं उनका मानसिक, शारीरिक, भावनात्मक बौद्धिक एवं सामाजिक विकास करवाना। उनकी सिखाई के तरीकों मूल्यांकन, व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं को किस प्रकार से विकसित करने के तरीकों को, संस्थान के भविष्य के विद्यार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

कार्यक्रम के पहले दिन श्री विक्रम सिंह (क्षेत्र निदेशक स्पेशल ओलंपिक भारत दिल्ली), श्रीमती एकता झा (सुमन नेशनल स्पोर्ट्स डायरेक्टर) एवं श्रीमती रमन रेखी विशेषज्ञों के तौर पर उपस्थित रहे? उन्होंने अपने वक्तव्य में स्पेशल ओलिंपिक भारत के इतिहास, मिशन और मूल्यों को बताया गया।

समावेशी खेलों की महत्ता तथा उनका प्रभाव स्पेशल नीड के बच्चों पर उनके व्यक्तित्व को विकसित करने में इस कार्यक्रम की महत्ता पर चर्चा की गयी। कार्यक्रम के दूसरे दिन श्री विक्रम सिंह (क्षेत्र निदेशक, स्पेशल ओलंपिक भारत, दिल्ली) विशेषज्ञ के तौर पर कार्यक्रम की कमान संभाली? श्री विक्रम सिंह जी ने कार्यशाला के माध्यम से छात्रों को बौद्धिक अक्षमता के बच्चों को किस प्रकार समूह में विभिन्न तकनीकों एवं ड्रिल का प्रयोग कर प्रभावशाली प्रशिक्षण द्वारा शिक्षित किया। कार्यक्रम के तीसरे दिन श्री विक्रम सिंह क्षेत्र विशेषज्ञ के तौर पर उपस्थित रहे? साथ ही इस कार्यक्रम में स्पेशल ओलिंपिक 2023 बर्लिन से लौटे भारत के स्पेशल नीड के खिलाड़ी, शिवानी, आशीष उज्जवल, स्वराज सिंह, गुनेशियन सिंह, सुहेलिया और प्रिंस सोलंकी का संस्थान ने स्वागत किया। इन सभी खिलाड़ियों ने विभिन्न खेल क्रियाओं में बी.एस.सी.,बी.पी.एड.औरएमपीएड विद्यार्थियों के साथ भाग लिया। संस्थान के विभिन्न प्राध्यापकों ने भी मनोरंजन खेलों में भाग लिया।

शाहीन अफरीदी ने जड़ा अनोखा शतक

नई दिल्ली (खे.सं.)। एक साल बाद टेस्ट में शाहीन अफरीदी की दमदार वापसी। पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच खेले जा रहे टेस्ट सीरीज के पहले टेस्ट मैच में पाक के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी ने नई गेंद से कहर बरपाते हुए एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की। अफरीदी ने पारी की तीसरी गेंद पर निशान मदुश्का को अपना शिकार बनाया और श्रीलंका को पहला झटका दिया। इस विकेट के साथ ही अफरीदी ने टेस्ट क्रिकेट में अपने 100 विकेट भी पूरे कर लिए। खास बात तो ये रही कि जिस गॉल इंटरनेशनल स्टेडियम में ये मैच खेला जा रहा है उसी मैदान में पिछले साल अफरीदी को चोट लगी थी और वह ये उपलब्धि हासिल करने से चूक गए थे, लेकिन 12 महीने बाद अफरीदी ने उसी मैदान पर दमदार वापसी कर ये साबित कर दिखाया है कि वक्त एक दिन हर किसी का आता है।

दरअसल, श्रीलंका और पाकिस्तान के बीच खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में शाहीन अफरीदी ने निशान मदुश्का को वहीं विकेटकीपर के हाथों आउट कर मेजबानों को पहला झटका दिया। इसके साथ ही उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में अपने 100 विकेट भी पूरे किए। ऐसा करने वाले शाहीन पाकिस्तान के 19वें गेंदबाज बन गए हैं। पाकिस्तान के 23 साल के युवा गेंदबाज ने नई गेंद से कहर बरपाते हुए ये खास मुकाम हासिल कर लिया। पिछले साल इसी मैदान पर इसी टीम के खिलाफ अफरीदी के घुटने पर चोट लगी थी और चोट से उबरने के एक साल बाद उन्होंने दमदार वापसी की। इसके साथ ही अफरीदी ने टेस्ट में सबसे तेज 100 विकेट चटकाने वाले पेसर के मामले में पैट कमिंस के खास क्लब में एंट्री मार ली है। टेस्ट में सबसे तेज 100 विकेट लेने के मामले में पैट कमिंस का नाम शामिल है, जिन्होंने 21 मैचों में ये कारनामा किया। दूसरे नंबर पर कगिसो रबाडा का नाम है, जिन्होंने 22 मैच में टेस्ट में सबसे तेज 100 विकेट झटके। तीसरे नंबर पर जसप्रीत बुमराह का नाम शुमार है, जिन्होंने 24वें टेस्ट मैच में ये उपलब्धि हासिल की थी और अब शाहीन अफरीदी का नाम चौथे नंबर पर जुड़ गया है।

टीम इंडिया के लिए अनुषा-अमनजोत ने किया वनडे डेब्यू

नई दिल्ली (खे.सं.)। महिला क्रिकेट में भारत और बांग्लादेश के बीच आईसीसी चैंपियनशिप की वनडे सीरीज खेली जा रही ह। इसका पहला मुकाबला ढाका में आयोजित हो रहा ह। भारत ने इस मुकाबले के लिए प्लेइंग इलेवन में दो नई खिलाड़ियों को मौका दिया ह। अमनजोत कौर और अनुषा रेड्डी डेब्यू वनडे मैच खेल रही हैं. अमनजोत टी20 में डेब्यू कर चुकी हैं, लेकिन वनडे में अब मौका मिला ह। बीसीसीआई ने ट्वीट करके बताया कि अनुषा और अमनजोत को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया है और ये दोनों डेब्यू मैच खेलेंगी. बीसीसीआई ने इन दोनों की फोटो को भी शेयर किया है, जिसमें इन्हें टीम इंडिया की कैप दी जा रही ह। अमनजोत भारत के लिए 5 टी20 इंटरनेशनल मैच खेल चुकी हैं. लेकिन वनडे में अभी तक मौका नहीं मिला था. अमनजोत ने का घरेलू मैचों में भी अच्छा रिकॉर्ड रहा ह। अब वे ढाका में करियर का पहला वनडे इंटरनेशनल खेल रही हैं।

दैनिक स्पोर्ट्स एज
डिजीटल एडिशन
खेल समाचार पत्र

आज का सुविचार

जब जल गंदा हो तो उसे हिलाते नहीं बल्की शांत छोड़ देते है, जिससे गंदगी अपने आप नीचे बैठ जाती है, इसी प्रकार जीवन में परेशानी आने पर बेचैन होने के बजाय शांत रहकर विचार करे हल जरूर निकलेगा।

» वर्ष-03 » अंक-92 भोपाल, रविवार 16 जुलाई, 2023 » पृष्ठ-8 » मूल्य-2 रूपये

भारत ने पहले टेस्ट में वेस्टइंडीज को पारी और 141 रन से हराया

सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल की

डोमिनिका। भारत ने वेस्टइंडीज को दो टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में पारी और 141 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ ही टीम इंडिया ने सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। वेस्टइंडीज ने मैच में टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया। उसने पहली पारी में 150 रन बनाए। इसके जवाब में भारत ने पहली पारी में पांच विकेट पर 429 रन बनाए। टीम इंडिया को 271 रनों की बढ़त हासिल हुई। वेस्टइंडीज की टीम दूसरी पारी में 130 रनों पर सिमट गई। इस तरह टीम इंडिया ने मैच को अपने नाम कर लिया।

रविचंद्रन अश्विन ने कमाल की गेंदबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की टीम को 130 रनों रनों पर समेट लिया। अश्विन ने पहली पारी में पांच विकेट लेने के बाद दूसरी पारी में सात विकेट चटकाए। वेस्टइंडीज ने मैच में टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया। उसने पहली पारी में 150 रन बनाए। इसके जवाब में भारत ने पहली पारी में पांच विकेट पर 429 रन बनाए। टीम इंडिया को 271 रनों की बढ़त हासिल हुई। वेस्टइंडीज की टीम दूसरी पारी में 130 रनों पर सिमट गई। इस तरह टीम इंडिया ने मैच को अपने नाम कर लिया।

दूसरी पारी में वेस्टइंडीज का कोई बल्लेबाज क्रीज पर नहीं टिक पाया। उसके लिए एलिक नथनेज ने सबसे ज्यादा 28 रन बनाए। जेसन होल्डर ने नाबाद 20 रन बनाए। जोमेल वॉरिकन ने 18, अल्जारी जोसेफ ने 13 और जोशुआ डी सिल्वा 13 रन बनाकर आउट हुए। रेमोन रीफर ने 11 रन बनाए। क्रेग ब्रैथवेट और तेजनारायण चंद्रपॉल सात-सात रन बनाकर आउट हुए। जर्मेन ब्लैकवुड पांच और रहकीम कार्नवॉल चार रन ही बना सके। केमार रोच अपना खाता नहीं खोल सके। भारत के लिए अश्विन के अलावा रवींद्र जडेजा ने दो विकेट लिए। मोहम्मद सिराज को एक सफलता मिली।

इससे पहले भारत के लिए यशस्वी जायसवाल, कप्तान रोहित शर्मा और पूर्व कप्तान विराट कोहली ने शानदार पारियां खेलीं। यशस्वी ने 171 रन बनाए। यह उनका यह डेब्यू टेस्ट था। वहीं, कप्तान रोहित ने 104 रन की पारी खेली। विराट कोहली शतक नहीं लगा पाए और 76 रन बनाकर आउट हो गए। रवींद्र जडेजा 37 और ईशान किशन एक रन बनाकर नाबाद रहे। शुभमन गिल ने छह और अजिंक्य रहाणे ने तीन रन बनाए। वेस्टइंडीज के लिए केमार रोच, अल्जारी जोसेफ, रहकीम कार्नवॉल, जोमेल वॉरिकन और एलिक एथनेज ने एक-एक विकेट लिए।

अश्विन ने अल्जारी जोसेफ को आउट कर वेस्टइंडीज को सातवां झटका दिया है। जोसेफ 23 गेंद पर 13 रन बनाकर आउट हुए। शुभमन गिल ने उनका कैच लिया। वेस्टइंडीज ने सात विकेट पर 101 रन बना लिए हैं। जेसन होल्डर और रहकीम कार्नवॉल क्रीज पर हैं।

भारत को छठी सफलता रविचंद्रन अश्विन ने दिलाई। उन्होंने एलिक एथनेज को आउट कर वेस्टइंडीज को बड़ा झटका दिया। एथनेज 44 गेंद पर 28 रन बनाकर आउट हो गए। उनका कैच यशस्वी जायसवाल ने लिया। वेस्टइंडीज ने छह विकेट पर 80 रन बना लिए हैं। जेसन होल्डर चार और अल्जारी जोसेफ दो रन बनाकर नाबाद हैं। मोहम्मद सिराज ने भारत को पांचवीं सफलता दिलाई। सिराज ने जोशुआ डी सिल्वा को एलबीडब्ल्यू कर दिया। डी सिल्वा 27 गेंद पर 13 रन बनाकर आउट हुए। वेस्टइंडीज ने पांच विकेट पर 61 रन बना लिए हैं। एलिक एथनेज 14 और जेसन होल्डर एक रन बनाकर नाबाद हैं। वेस्टइंडीज को चायकाल के बाद दोहरा झटका लगा है। जर्मेन ब्लैकवुड और रेमोन रीफर पवेलियन लौट गए हैं। ब्लैकवुड को अश्विन ने एलबीडब्ल्यू किया। उन्होंने आठ गेंद पर पांच रन बनाए। रीफर को जडेजा ने एलबीडब्ल्यू किया। उन्होंने 41 गेंद पर 11 रन बनाए। वेस्टइंडीज ने चार विकेट पर 50 रन बना लिए हैं। जोशुआ डी सिल्वा और एलिक एथनेज क्रीज पर हैं। चायकाल से पहले वेस्टइंडीज को दूसरा झटका लगा। रविचंद्रन अश्विन ने वेस्टइंडीज के कप्तान क्रेग ब्रैथवेट को आउट किया। ब्रैथवेट 47 गेंद पर सात रन बनाकर आउट हुए। अजिंक्य रहाणे ने उनका कैच लिया। वेस्टइंडीज ने दो विकेट पर 27 रन बना लिए हैं। रेमोन रीफर सात और जर्मेन ब्लैकवुड चार रन बनाकर नाबाद हैं। दूसरी पारी में भारतीय टीम को पहली सफलता रवींद्र जडेजा ने दिलाई। उन्होंने तेजनारायण चंद्रपॉल को एलबीडब्ल्यू किया। चंद्रपॉल ने 28 गेंद पर सात रन बनाए। वेस्टइंडीज ने एक विकेट पर आठ रन बना लिए हैं। क्रेग ब्रैथवेट और रेमोन रीफर क्रीज पर हैं। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने लंच के बाद विराट कोहली के आउट होने के कुछ देर बाद पांच विकेट पर 421 रन के स्कोर पर पहली पारी घोषित कर दी। टीम इंडिया को पहली पारी में 271 रन की बढ़त मिली। वेस्टइंडीज ने पहली पारी में 150 रन बनाए थे। भारत के लिए यशस्वी जायसवाल, कप्तान रोहित शर्मा और पूर्व कप्तान विराट कोहली ने शानदार पारियां खेलीं। यशस्वी ने 171 रन बनाए। यह उनका यह डेब्यू टेस्ट है। वहीं, कप्तान रोहित ने 104 रन की पारी खेली। विराट कोहली शतक नहीं लगा पाए और 76 रन बनाकर आउट हो गए। रवींद्र जडेजा 37 और ईशान किशन एक रन बनाकर नाबाद रहे। शुभमन गिल ने छह और अजिंक्य रहाणे ने तीन रन बनाए। वेस्टइंडीज के लिए केमार रोच, अल्जारी जोसेफ, रहकीम कार्नवॉल, जोमेल वॉरिकन और एलिक एथनेज ने एक-एक विकेट लिए। भारत ने पहली पारी में 400 रन पूरे कर लिए हैं। तीसरे दिन लंच की घोषणा के समय टीम इंडिया ने चार विकेट पर 400 रन बना लिए हैं। विराट कोहली 72 और रवींद्र जडेजा 21 रन बनाकर नाबाद हैं। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए 44 रन की साझेदारी कर ली है। रहाणे के आउट होने के बाद रवींद्र जडेजा ने विराट कोहली का अच्छा साथ दिया है।

भारत के गेंदबाजी कोच ने रविचंद्रन अश्विन की जमकर तारीफ की, कहा- वह भारत के महानतम मैच विजेता

डोमिनिका। भारत के गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे ने रविचंद्रन अश्विन को भारत के महानतम मैच विनर में से एक बताया। उन्होंने पहले ही टेस्ट में 171 रन बनाने वाले यशस्वी जायसवाल की परिपक्वता की भी तारीफ की। अश्विन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ डोमिनिका टेस्ट की पहली पारी में पांच और दूसरी पारी में सात विकेट लिए। टीम इंडिया ने इस मैच को पारी और 141 रन के अंतर से जीता।

पारस म्हाम्ब्रे ने कहा, %%पहली पारी में बड़ा स्कोर बनाना जरूरी था जो हमने बनाया। इससे गेंदबाजों को मदद मिली। अश्विन और जडेजा ने कमाल की गेंदबाजी की। ड्रेसिंग रूम में हम गेंदबाज के प्रदर्शन की अहमियत समझते हैं। मेरे हिसाब से अश्विन देश के महानतम मैच विनर में से एक हैं। उन्होंने हमारे लिए कई मैच जीते हैं और लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। जायसवाल की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने जिस तरह से बल्लेबाजी की, वह शानदार थी। उन्होंने अपने पहले ही टेस्ट में कठिन विकेट पर शतक जमाया जिस पर स्ट्रोक्स खेलना भी आसान नहीं था।

वेस्टइंडीज ने मैच में टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया। उसने पहली पारी में 150 रन बनाए। इसके जवाब में भारत ने पहली पारी में पांच विकेट पर 429 रन बनाए। टीम इंडिया को 271 रनों की बढ़त हासिल हुई। वेस्टइंडीज की टीम दूसरी पारी में 130 रनों पर सिमट गई। इस तरह टीम इंडिया ने मैच को अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ ही रोहित शर्मा की टीम सीरीज में 1-0 से आगे हो गई है। दोनों टीमों के बीच सीरीज का दूसरा मुकाबला 20 जुलाई से त्रिनिदाद में होगा। भारत ने एशिया के बाहर पारी के अंतर से सबसे बड़ी जीत हासिल की है।

अश्विन ने मैच में कुल 12 विकेट लिए। इन्होंने भारत के लिए आठवीं बार एक मैच में 10 या उससे ज्यादा विकेट लिए हैं। इस मामले में अश्विन ने अनिल कुंबले (आठ) की बराबरी कर ली। हरभजन सिंह ने पांच बार मैच में 10 या उससे अधिक विकेट लिए थे। इसके अलावा अश्विन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ छठी बार पारी में पांच या उससे अधिक विकेट लिए। भारत और वेस्टइंडीज के बीच टेस्ट में वह ऐसा करने वाले दूसरे गेंदबाज बन गए। उन्होंने वेस्टइंडीज के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज मैल्कम मॉर्शल को पीछे छोड़ दिया।

दिल्ली खेल समाचार

इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान संस्थान ने स्पेशल ओलंपिक्स भारत के साथ कॉलेज में प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की

स्पोर्टस एज

इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान संस्थान, विकास पुरी दिल्ली, ने अपने बी.एस.सी., बी.पी.एड. और एम.पी.एड. विद्यार्थियों के लिए विशेष समावेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम एकीकृत खेल = कौशल विकास पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की।

प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्घाटन स्पेशल ओलंपिक्स भारत के राष्ट्रीय खेल निदेशक (महिला विभाग) श्रीमती एकता झा, (मीडिया प्रभारी) , श्रीमती रमन रेखी, (क्षेत्र निदेशक) विक्रम सिंह तथा संस्थान के प्रधानाचार्य, (कार्यवाहक) प्रोफेसर संदीप तिवारी ने किया।

कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य विशेष आवश्यकताओं के विद्यार्थियों को खेलों के माध्यम से समाज की मुख्य धारा में लाना एवं उनका मानसिक, शारीरिक , भावनात्मक बौद्धिक एवं सामाजिक विकास करवाना। उनकी सिखाई के तरीकों मूल्यांकन, व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं को किस प्रकार से विकसित करने के तरीकों को, संस्थान के भविष्य के विद्यार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

कार्यक्रम के पहले दिन श्री विक्रम सिंह (क्षेत्र निदेशक स्पेशल ओलंपिक भारत दिल्ली), श्रीमती एकता झा (वुमन नेशनल स्पोर्ट्स डायरेक्टर) एवं श्रीमती रमन रेखी (जॉइंट नेशनल डायरेक्टर) विशेषज्ञों के तौर पर उपस्थित रहे/ उन्होंने अपने वक्तव्य में स्पेशल ओलिंपिक भारत के इतिहास, मिशन और मूल्यों को बताया गया। समावेशी खेलों की महत्ता तथा उनका प्रभाव स्पेशल नीड के बच्चों पर उनके व्यक्तित्व को विकसित करने में इस कार्यक्रम की महत्ता पर चर्चा की गयी।

कार्यक्रम के दूसरे दिन श्री विक्रम सिंह (क्षेत्र निदेशक, स्पेशल ओलंपिक भारत, दिल्ली) विशेषज्ञ के तौर पर कार्यक्रम की कमान संभाली। श्री विक्रम सिंह जी ने कार्यशाला के माध्यम से छात्रों को बौद्धिक अक्षमता के बच्चों को किस प्रकार समूह में विभिन्न तकनीकों एवं ड्रिल का प्रयोग कर प्रभावशाली प्रशिक्षण द्वारा शिक्षित किया।

कार्यक्रम के तीसरे दिन श्री विक्रम सिंह क्षेत्र (निदेशक, स्पेशल ओलंपिक भारत, दिल्ली) विशेषज्ञ के तौर पर उपस्थित रहे। साथ ही इस कार्यक्रम में स्पेशल ओलिंपिक 2023 बर्लिन से लौटे भारत के स्पेशल नीड के खिलाड़ी, शिवानी, आशीष उज्जवल, स्वराज सिंह, गुनेशियन सिंह, सुहेलिया और प्रिंस सोलंकी का संस्थान ने स्वागत किया। इन सभी खिलाड़ियों ने विभिन्न खेल क्रियाओं में बी.एस.सी., बी.पी.एड. और एम.पी.एड. विद्यार्थियों के साथ भाग लिया। संस्थान के विभिन्न प्राध्यापकों ने भी मनोरंजन खेलों में भाग लिया। इस अवसर पर रिले रेस का आयोजन किया गया जिसमे तीन समूहों में प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रत्येक समूह की संरचना में स्पेशल नीड के बच्चे (2) संस्थान के सकुशल छात्र (2) का प्रावधान रखा गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्पेशल नीड के बच्चों और सकुशल छात्रों के बीच में सामंजस्य को स्थापित करना हैं। स्पेशल नीड के प्रशिक्षकों/ अध्यापकों को भी अपने धैर्य, प्यार, सहनशीलता व अपने भावो पर नियंत्रंता से खुद को उनके जैसा महसूस करना होगा व निस्वार्थ भाव से सेवा द्वारा स्पेशल नीड के बच्चों को आगे बढ़ाना होगा। अंत में कार्यक्रम की संचालक प्रोफेसर गौरी चक्रबोर्ती ने सभी विशेषज्ञों एवं अतिथियों का धन्यवाद कर कार्यक्रम का समापन किया।

हमारी बस पर फेंके गए थे पत्थर, अफरीदी का विवादित बयान, पाकिस्तान टीम को भारत भेजने पर कही यह बात

कराची। पिछले कुछ महीनों से एशिया कप और वर्ल्ड कप को लेकर पाकिस्तान का ड्रामा जारी है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने एशिया कप में ज्यादा मैचों की मेजबानी को लेकर फिर से विवाद शुरू कर दिया है, जबकि कुछ दिन पहले तक पीसीबी हाईब्रिड मॉडल और कम मैचों की मेजबानी को लेकर तैयार था। इतना ही नहीं पाकिस्तान सरकार इस साल अक्तूबर-नवंबर में भारत में होने वाले वर्ल्ड कप के लिए अपनी टीम को भेजने पर भी अड़ंगा लगा रहे हैं।

ऐसे में विवाद काफी बढ़ चुका है। हालांकि, आईसीसी ने पाकिस्तान टीम को सख्त चेतावनी दी है कि उन्होंने एग्रीमेंट किया है और वह अब पीछे नहीं मुड़ सकते। इस पूरे मामले पर अब पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी का बयान आया है। उन्होंने पाकिस्तान की टीम को भारत भेजने का समर्थन किया है। हालांकि, उनकी तरफ से विवादित बयान भी सामने आया है।

दरअसल, अफरीदी ने एक पुरानी घटना याद दिलाते हुए कहा कि भारत के बेंगलुरु में एक टेस्ट मैच के बाद उनकी टीम बस पर पत्थरबाजी हुई थी। वह अब्दुल रज्जाक के साथ एक कार्यक्रम में गए थे। वहां उन्होंने कहा- वह हमारे लिए प्रेशर मैच था। हम तब चौके और छक्के लगाते थे, लेकिन स्टेडियम में कोई हमारे लिए ताली नहीं बजा रहा था। अगर अब्दुल रज्जाक को याद हो, जब हमने बेंगलुरु में टेस्ट मैच जीता था, हमारी बस पर पत्थर फेंके गए थे। हमेशा दबाव होता है, लेकिन आपको उसको एंजॉय करना चाहिए। कुछ खिलाड़ी कह रहे हैं कि पाकिस्तान की टीम को भारत की यात्रा नहीं करनी चाहिए। मैं इसके बिल्कुल खिलाफ हूं। मुझे लगता है कि हमें वहां जाना चाहिए और मैच जीतने चाहिए।

इस बयान का वीडियो भी सामने आया है। इस बयान के बाद वह ट्रोल भी हो गए हैं। सोशल मीडिया यूजर्स ने उन्हें श्रीलंकाई टीम पर बुलेट दागे जाने की याद दिलाई।

हालांकि, अफरीदी का बयान झूठा बताया जा रहा है, क्योंकि अफरीदी जिस टेस्ट की बात कर रहे हैं, वह 2005 में खेला गया था। तब पाकिस्तान की टीम ने बेंगलुरु में तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के तीसरे टेस्ट में 168 रन से जीत हासिल की थी। हालांकि, मैच के बाद तब इस तरह की घटना की कोई रिपोर्ट सामने आई थी। इतना ही नहीं पाकिस्तान की टीम उस टेस्ट के बाद अगले 20 दिनों तक भारत में रही थी। टेस्ट सीरीज 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ था और फिर छह वनडे मैचों की सीरीज भी खेली गई थी। वनडे सीरीज में टीम इंडिया ने शुरुआती दो मैच जीतकर 2-0 की बढ़त बनाई थी। फिर पाकिस्तान ने बाउंस बैक करते हुए अगले चार मैच जीते थे और सीरीज 4-2 से अपने नाम की थी। 2023 वर्ल्ड कप की बात करें तो आईसीसी ने 27 जून को शेड्यूल जारी किया था। हालांकि, पीसीबी को शेड्यूल से आपत्ति थी और उन्होंने अफगानिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वेन्यू को बदलने की मांग की थी। पाकिस्तान अफगानिस्तान से चेपक में और ऑस्ट्रेलिया से चिन्नास्वामी में नहीं भिड़ना चाहता था। हालांकि, आईसीसी और बीसीसीआई ने पीसीबी की मांगों को ठुकरा दिया था। इसके बाद पाकिस्तान के खेल मंत्री अहसान मजारी ने बयान दिया था कि एशिया कप के लिए भारत को पाकिस्तान आना ही होगा, नहीं तो हम भी वर्ल्ड कप के लिए न्यूट्रल वेन्यू की मांग करेंगे।

लक्ष्य सेन सेमीफाइनल में पहुंचे, भारत के ही शंकर को हराया

सिंधु क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर

वॉशिंगटन। भारतीय बैडमिंटन स्टार लक्ष्य सेन ने यूएस ओपन बैडमिंटन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। हाल ही में कनाडा ओपन जीतने वाले सेन ने शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में हमवतन शंकर मुथुसामी को दो सीधे गेमों में 21-10, 21-17 से हराया। इस एकतरफा जीत के साथ वह सेमीफाइनल में पहुंच गए। सेन ने अपना सबसे प्रभावशाली प्रदर्शन किया। वह शुरुआत से ही शानदार लय में थे और उन्होंने पहला सेट आसानी से जीत लिया।

शंकर ने दूसरे सेट में शंकर ने कुछ संघर्ष दिखाया, लेकिन फिर भी वह राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन को सेमीफाइनल में जगह बनाने से नहीं रोक पाए। सेमीफाइनल में सेन का मुकाबला दुनिया के सातवें नंबर के खिलाड़ी ली शी फेंग से होगा। लक्ष्य सेन ने प्री क्वार्टर फाइनल मैच में चेक गणराज्य के खिलाड़ी के खिलाफ पहले गेम में अपना दबदबा कायम किया। उन्होंने 6-1 की बढ़त लेने के बाद इसे बढ़ाकर 17-5 कर लिया। इसके बाद उन्हें इस गेम को जीतने में ज्यादा परेशानी नहीं हुई। सेन को हालांकि दूसरे गेम में 39 साल के खिलाड़ी ने कड़ी चुनौती दी जेन ने 8-5 की बढ़त लेकर सेन को चौंका दिया। उन्होंने अपनी बढ़त को 19-14 किया लेकिन सेन ने इसके बाद शानदार वापसी की। इस भारतीय खिलाड़ी ने स्कोर को 19-19 बराबर करने के बाद कुछ शानदार बचाव किये और मुकाबला अपने नाम कर लिया। महिला वर्ग में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने इस सीजन में अपना खराब फॉर्म जारी रखा और क्वार्टर में गाओ फांग जी से हार गईं। सिंधु, जो हाल ही में बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (बीडब्ल्यूएफ) रैंकिंग में 15वें नंबर पर खिसक गई थीं, यह मैच 22-20, 21-13 से हार गईं।

पुजारा-सूर्यकुमार फिर फेल, पृथ्वी और सरफराज का भी नहीं चला बल्ला

शतक के करीब प्रियांक पांचाल

बेंगलुरु। भारत के दिग्गज खिलाड़ी चेतेश्वर पुजारा और विस्फोटक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव दलीप ट्रॉफी के फाइनल में बड़ा स्कोर नहीं बना पाए। दोनों बल्लेबाज लगातार दूसरी पारी में फेल हुए। पश्चिम क्षेत्र की ओर से खेलते हुए पुजारा दक्षिण क्षेत्र के खिलाफ 47 गेंद पर 15 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, सूर्यकुमार तीन गेंद पर चार रन बनाकर आउट हुए।

इससे पहले पहली पारी में पुजारा नौ और सूर्यकुमार यादव आठ रन बनाकर पवेलियन लौटे थे।

पुजारा और सूर्यकुमार यादव टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं। पुजारा को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली हार के बाद बाहर कर दिया गया। उनके प्रदर्शन में निरंतरता की कमी थी। वहीं, सूर्यकुमार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक टेस्ट में ही खेलने का मौका मिला था। उसके बाद उनका चयन नहीं हुआ। सिर्फ पुजारा और सूर्यकुमार ही दूसरी पारी में फेल नहीं हुए हैं। टीम इंडिया से बाहर चल रहे पृथ्वी शॉ भी दूसरी पारी में कुछ कमाल नहीं कर सके। वह सात रन बनाकर आउट हुए। पहली पारी में पृथ्वी ने 65 रन बनाए थे।

प्रियांक पंचाल (नाबाद 92 रन) की पारी से पश्चिम क्षेत्र ने फाइनल जीतने की अपनी उम्मीदें जिंदा रखी हैं। दक्षिण क्षेत्र द्वारा मिले 298 रनों के लक्ष्य के जवाब में पश्चिम क्षेत्र ने चौथे दिन का खेल खत्म होने पर पांच विकेट पर 182 रन बना लिए हैं। प्रियांक का साथ अतीत सेठ दे रहे हैं जिन्होंने अभी खाता नहीं खोला है। रविवार मैच का अंतिम दिन है और पश्चिम क्षेत्र को जीत के लिए 116 रनों की जरूरत है, जबकि दक्षिण क्षेत्र जीत से पांच विकेट दूर है।

कप्तान पंचाल ने 205 गेंद में 11 चौके लगाए और प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 8000 रन भी पूरे किए। वासुकी कौशिक (3/28) ने दक्षिण क्षेत्र के लिए विकेट लिए। पंचाल और सरफराज खान (48 रन) ने पांचवें विकेट के लिए 98 रन जोड़कर लक्ष्य की ओर कदम बढ़ाए। दक्षिण क्षेत्र ने शनिवार की सुबह सात विकेट पर 181 रन के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया जिसके बाद टीम दूसरी पारी में 230 रन पर सिमट गई जिसमें बाएं हाथ के स्पिनर धर्मेंद्रसिंह जडेजा ने पांच विकेट चटकाए।

लंबी कूद में श्रीशंकर ने एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जीता रजत, पेरिस ओलंपिक का मिला टिकट

नई दिल्ली। भारत के लंबी कूद के एथलीट मुरली श्रीशंकर ने शनिवार (15 जुलाई) को एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में रजत पदक जीता। उन्होंने 8.37 मीटर की कूद लगाई। यह उनके करियर का दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रयास है। टूर्नामेंट में रजत पदक जीतकर श्रीशंकर ने 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया। चौबीस साल के श्रीशंकर ने अपने अंतिम राउंड की 8.37 मीटर की कूद से ओलंपिक क्वालिफिकेशन हासिल किया।

पेरिस ओलंपिक के लिए मानक 8.27 मीटर का है और क्वालिफिकेशन समय एक जुलाई से शुरू हुआ। चीनी ताइपे के यु टांग लिन ने चौथे राउंड में 8.40 मीटर की कूद से स्वर्ण पदक जीता जो इस सत्र में विश्व का तीसरा सर्वश्रेष्ठ प्रयास था। श्रीशंकर ने पिछले महीने राष्ट्रीय अंतरराज्यीय चैंपियनशिप के क्वालिफिकेशन दौर के दौरान 8.41 मीटर की कूद से अगस्त में होने वाली बुडापेस्ट विश्व चैंपियनशिप के लिए पहले ही क्वालिफाई कर लिया था। यह उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ कूद भी रही। भारत के अन्य एथलीट संतोष कुमार ने पुरुष वर्ग की 400 मीटर बाधा दौड़ स्पर्धा में 49.09 सेकंड के सर्वश्रेष्ठ समय से कांस्य पदक अपने नाम किया। संतोष ने 400 मीटर बाधा दौड़ में इस साल का भारतीयों में सर्वश्रेष्ठ समय निकाला। वह स्वर्ण पदक विजेता कतर के मोहम्मद हमेमेडा बासेम (48.64 सेकंड) और जापान के युसाकू कोडामा (48.96 सेकंड) से पीछे रहे। इस 25 साल के एथलीट का पिछला सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 49.49 सेकंड का था जो उन्होंने पिछले साल हासिल किया था। एक अन्य भारतीय यशास पलकशा ने भी फाइनल के लिए क्वालिफाई किया था लेकिन वह रेस में नहीं दौड़े।

गैर वरीय मार्केटा वोंड्रोसोवा ने पहली बार विंबलडन जीता

फाइनल में ओंस जेब्यूर को हराया

लंदन। विंबलडन ओपन में महिला एकल के फाइनल में चेक गणराज्य की 24 वर्षीय मार्केटा वोंड्रोसोवा ने ट्यूनीशिया की ओंस जेब्यूर को हरा दिया। इस जीत के साथ ही उन्होंने पहली बार विंबलडन ओपन अपने नाम किया। किसी भी ग्रैंड स्लैम में यह उनकी पहली खिताबी जीत है। वोंड्रोसोवा ने जेब्यूर को सीधे सेटों में 6-4, 6-4 से हराया। वोंड्रोसोवा विंबलडन जीतने वाली चेक गणराज्य की तीसरी खिलाड़ी बनीं। उनसे पहले 1998 में जाना नोवोत्ना जीती थीं। उनके बाद पेत्रा क्वितोवा ने 2011 और 2014 में खिताब पर कब्जा किया था।

वोंड्रोसोवा ने पहले सेट को 6-4 से जीतकर मैच में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। पहले सेट में ओंस जेब्यूर एक समय 3-2 से आगे चल रही थीं, लेकिन वोंड्रोसोवा ने वापसी की और सेट में 5-4 की बढ़त हासिल कर ली है। इसके बाद उन्होंने जेब्यूर को कोई मौका नहीं दिया और सेट को 6-4 से अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में भी जेब्यूर ने अच्छी शुरुआत की, लेकिन उनके प्रदर्शन में निरंतरता की कमी एक बार फिर देखे को मिली। इसका फायदा वोंड्रोसोवा ने उठाया और सेट को 6-4 से जीत लिया। वोंड्रोसोवा विंबलडन के फाइनल में पहुंचने वाली पहली महिला गैर वरीयता प्राप्त खिलाड़ी हैं। उन्होंने इस मौके को यादगार बनाया और शानदार जीत हासिल की। वोंड्रोसोवा ने सेमीफाइनल में यूक्रेन की एलीना स्वितोलिना को हराया था। दूसरी ओर, ओंस जेब्यूर लगातार दूसरी बार खिताबी मुकाबले में उतरीं, लेकिन उन्हें एक बार फिर निराशा हाथ लगी। वोंड्रोसोवा की बात करें तो वह दूसरी बार किसी ग्रैंड स्लैम के फाइनल में खेलीं। इससे पहले 2019 में उन्हें फ्रेंच ओपन के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। वह ऑस्ट्रेलिया और यूएस ओपन में चौथे राउंड तक ही पहुंच पाई हैं। दूसरी ओर, ओंस जेब्यूर तीसरी बार किसी ग्रैंड स्लैम के फाइनल में उतरीं।

एमबीबीएस छोड़ शूटिंग में बनाया करियर, अभ्यास के लिए जा रहीं पेरिस

नई दिल्ली। हांगझोऊ एशियाई खेलों की टीम में चयनित पंजाब की निशानेबाज सिफ्त कौर समरा ने एमबीबीएस पर देश के लिए पदक जीतने को वरीयता दे डाली। 2021 में फरीदकोट के मेडिकल कॉलेज में नीट के जरिए एमबीबीएस में दाखिला लेने वाली सिफ्त के सामने इस साल ऐसा समय आया जब उन्हें एमबीबीएस और शूटिंग में से एक को चुनना था। इस वर्ष भोपाल विश्वकप में 50 मीटर थ्री पोजीशन में पदक जीतने वाली 21 वर्षीय सिफ्त ने शूटिंग को चुना और डॉक्टरी को छोड़कर गुरुनानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर में फिजिकल एजुकेशन में दाखिला ले लिया। सिफ्त कहती हैं कि डॉक्टरी की पढ़ाई और शूटिंग एक साथ नहीं चल सकती थी। उन्हें दोनों में से एक को चुनना था। उन्होंने और उनके माता-पिता ने शूटिंग को चुना। पेरिस ओलंपिक की रेंज से अभ्यस्त होने के लिए भारतीय शूटिंग टीम के साथ पेरिस जा रहीं सिफ्त बताती हैं कि शूटिंग के चलते 80 प्रतिशत उपस्थिति पूरी नहीं होने के चलते वह एमबीबीएस की परीक्षाएं नहीं दे पाई थीं।

सीनियर लीग फुटबॉल चैंपियनशिप 19 जुलाई से

स्पोर्टस एज भोपाल।

भोपाल सीनियर लीग फुटबॉल चैंपियनशिप 19 जुलाई से प्रारंभ की जाएगी । जिला फुटबॉल संघ रेफरी कमेटी भोपाल की बैठक में चर्चा करते हुए जिला फुटबॉल संघ के सचिव राकेश शर्मा ने कहां की 19 जुलाई से सीनियर लीग चैंपियनशिप पिपलानी के फुटबॉल मैदान पर प्रारंभ की जाएगी । इसके लिए सारी तैयारियां पूर्ण हो चुकी है । बैठक में जिला फुटबॉल संघ के कार्यकारी अध्यक्ष एवं रेफरी कमेटी भोपाल के एच ,ओ,आर, जे, पी, सिंह ने रेफरीओ को संबोधित करते हुए कहां की सीनियर लीग फुटबॉल चैंपियनशिप शुरू होने के पूर्व नए रेफरी बनाए जाने हेतु 2 दिन का सेमिनार भोपाल के नए रेफरीओ के लिए आयोजित किया जाएगा । सेमिनार में भाग लेने एवं इच्छुक प्रतिभागी भोपाल रेफरी कमेटी के एच ओ आर जेपी सिंह को अपने नाम भेज सकते हैं।

वोंड्रोसोवा नौ महीने पहले बनी मां, अब दिखाया दमखम, विंबलडन जीतने वालीं पहली गैरवरीय महिला खिलाड़ी

लंदन। चेक गणराज्य की 24 वर्षीय मार्केटा वोंड्रोसोवा ने विंबलडन ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने वालीं पेशेवर युगल में पहली गैर वरीय खिलाड़ी बन गई हैं। सेंटर कोर्ट की छत के नीचे खेले गए फाइनल में वोंड्रोसोवा ने उन्होंने फाइनल में ट्यूनीशिया की ओंस जेब्यूर को सीधे सेटों में 6-4, 6-4 से पराजित किया। जेब्यूर को लगातार दूसरी बार फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। ओंस को दर्शकों से काफी समर्थन मिल रहा था और उन्होंने शुरुआती दो गेम

जीतकर अच्छी शुरुआत भी की थी लेकिन दुनिया की 42वीं रैंकिंग की मार्केटा ने जल्द नियंत्रण बना लिया और ओंस ने गलतियां करना शुरू कर दिया। ओंस ने फिर 4-2 की बढ़त बनाई लेकिन लगातार पांच गेम गंवाने के कारण उन्हें पहला सेट गंवाना पड़ा। वोंड्रोसोवा को हाथ पर टैटू बनवाना काफी पसंद है। वह स्विट्जरलैंड के दिग्गज रोजर फेडरर की बड़ी फैन हैं। दूसरे सेट में ओंस ने टक्कर देने की कोशिश की। एक समय स्कोर 4-4 था। मार्केटा ने अपना पहला मैच प्वाइंट डबल फाल्ट के साथ गंवा दिया लेकिन फिर वॉली के साथ मैच अपने कब्जे में कर लिया और खुशी के मारे कोर्ट पर ही लेट गईं। उन्हें अपनी जीत पर विश्वास नहीं हो रहा था। बाद में परिजनों से मिलने दर्शक दीर्घा में भी गईं। वोंड्रोसोवा की यह जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि नौ माह पहले ही वोंड्रोसोवा मां बनी हैं। पिछले साल वोंड्रोसोवा ने कलाई की सर्जरी कराई थी और हिस्सा नहीं ले सकी थी। इस बार उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया और अपने खिताबी सफर के दौरान क्वार्टर फाइनल में अमेरिका की जेसिका पेगुला और सेमीफाइनल में यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना को उलटफेर में पराजित किया।

एशियन गेम्स के लिए भी नहीं चुने गए शिखर धवन

मुंबई। बीसीसीआई ने चीन के हांगझोऊ में होने वाले एशियन गेम्स 2023 के लिए भारतीय टीम का एलान कर दिया है। एशियन गेम्स का यह 19वां संस्करण होगा। चयनकर्ताओं ने इन खेलों के लिए ऋतुराज गायकवाड़ को कप्तान बनाया है। ऋतुराज के नेतृत्व में एक युवा टीम चीन की यात्रा करेगी। इससे पहले कयास लगाए जा रहे थे कि एशियन गेम्स के लिए जाने वाली टीम के कप्तान शिखर धवन होंगे। 37 साल के धवन पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर हैं, ऐसे में उन्हें हांगझोऊ खेलों के लिए कप्तान बनाने की बात चल रही थी। एशियन गेम्स इस साल 28 सितंबर से आठ अक्तूबर के बीच खेले जाएंगे।

विश्व कप टीम में मिलेगी जगह या करियर हुआ खत्म?

हालांकि, चयनकर्ताओं ने ऋतुराज को कप्तान बनाकर धवन को किनारे कर दिया। इस साल अक्तूब-नवंबर में भारत में वनडे वर्ल्ड कप भी खेला जाना है। चयनकर्ताओं ने कहा था कि जिन खिलाड़ियों को वर्ल्ड कप में चुना जाएगा, उन्हें एशियन गेम्स की टीम से बाहर रखा जाएगा। अब सवाल यह उठ रहा है कि क्या धवन वनडे वर्ल्ड कप के लिए चुने जाएंगे या फिर उनका करियर समाप्त हो चुका है?

एशियन गेम्स के लिए भारतीय टीम के चयन के बाद से जहां ऋतुराज ट्रेंड कर रहे हैं, वहीं शिखर धवन को लेकर भी फैंस जमकर ट्वीट कर रहे हैं। कुछ का मानना है कि धवन वर्ल्ड कप के लिए चुने जाएंगे, जबकि कुछ मान रहे हैं कि उनके करियर का द एंड हो चुका है। 19वें एशियन गेम्स के लिए जो टीम चुनी गई है, उसमें राहुल त्रिपाठी को छोड़कर कोई भी खिलाड़ी 30 से ज्यादा उम्र का नहीं है।

त्रिपाठी 32 साल और शिवम दुबे 30 साल के हैं। ऐसे में बीसीसीआई ने इस टीम को चुनकर साफ-साफ यह संदेश देना चाहा है कि अब भविष्य के लिए टीम तैयार किया जा रहा है, जिसमें उम्रदराज खिलाड़ियों की कोई जगह नहीं होगी। 2007 टी20 वर्ल्ड कप के दौरान भी कुछ ऐसी ही चौंकाने वाली टीम चुनी गई थी। ऐसे में धवन को किनारा कर दिया गया।

एशियन गेम्स के लिए भारतीय टीम- ऋतुराज गायकवाड़ (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, राहुल त्रिपाठी, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, शाहबाज अहमद, रवि बिश्नोई, आवेश खान, अर्शदीप सिंह, मुकेश कुमार, शिवम मावी, शिवम दुबे, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर)।

वहीं, जहां तक सवाल है उनके वर्ल्ड कप में चुने जाने की तो यह भी मुश्किल नजर आ रहा है। एक टीम अपन स्क्वॉड में अधिकतम 15-16 खिलाड़ियों को चुन सकती है। ऐसे में भारतीय चयनकर्ताओं के मन में इतने खिलाड़ी पहले से ही तय हैं। ओपनिंग के लिए रोहित शर्मा के साथ शुभमन गिल, तीसरे स्थान पर विराट कोहली, चौथे स्थान पर सूर्यकुमार यादव या श्रेयस अय्यर, पांचवें स्थान पर केएल राहुल जो विकेटकीपर की भी भूमिका निभा सकते हैं, छठे स्थान पर हार्दिक पांड्या, सातवें स्थान पर रवींद्र जडेजा, आठवें और नौवें स्थान पर अक्षर पटेल, युजवेंद्र चहल और कुलदीप यादव में से कोई एक और फिर दो तेज गेंदबाज खेल सकते हैं। ऐसे में वर्ल्ड कप के लिए बैकअप के साथ भारतीय स्क्वॉड पहले से ही तैयार है।

जहां तक बात है धवन की तो वह एक ओपनर हैं। अगर चयनकर्ता रोहित या शुभमन के बैकअप के तौर पर किसी को रखना चाहेंगे तो वह ईशान किशन हो सकते हैं। ईशान को भी एशियन गेम्स के स्क्वॉड में नहीं रखा गया है। वहीं विकेटकीपिंग के लिए भी बैकअप में होंगे। इसके अलावा मिडिल ओवर के लिए संजू सैमसन बैकअप में होंगे। तेज गेंदबाजों में मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, शार्दुल ठाकुर और दीपक चाहर को चुना जा सकता है।

ऐसे में चयनकर्ता एशियन गेम्स के लिए टीम चुनकर वर्ल्ड कप के लिए भारतीय खिलाड़ियों के चयन को लगभग स्पष्ट कर दिया है, जिसमें धवन की कोई जगह नहीं बन रही है। यानी चयनकर्ताओं ने उन्हें साफ संकेत दे दिए हैं कि अब वह भविष्य की टीम की ओर देख रहे हैं, जिसमें सीनियर खिलाड़ियों की कोई जगह नहीं है।

वर्ल्ड कप के लिए ये हो सकती है भारतीय टीम- रोहित शर्मा, शुभमन गिल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, संजू सैमसन, शार्दुल ठाकुर।

धवन से चयनकर्ताओं ने इस बारे में बात की है या नहीं, इसको लेकर अब तक कोई जानकारी सामने नहीं आई है। आमतौर पर चयनकर्ता किसी ऐसे सीनियर खिलाड़ी के भविष्य को तय करने से पहले उससे बात करते हैं। उसमें भी धवन 2011 वर्ल्ड कप के बाद 6 आईसीसी टूर्नामेंट्स (टी20 वर्ल्ड कप- 2014, 2016; वनडे वर्ल्ड कप- 2015, 2019; चैंपियंस ट्रॉफी 2013, 2017) में भारतीय टीम का हिस्सा रह चुके हैं और लगभग इन सभी टूर्नामेंट्स में उन्होंने बल्ले से खूब रन बनाए थे।

2013 चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की जीत में उनका अहम योगदान रहा था। वहीं, 2015 वनडे वर्ल्ड और 2017 चैंपियंस ट्रॉफी में भी धवन ने खूब रन बनाए थे। इसके बाद 2021 में धवन को भारत की सेकंड स्ट्रीम का कप्तान बनाया गया था, जिसने श्रीलंका का दौरा किया था। फिर कई बार वह भारतीय टीम के दूसरे दौरे पर सिमित ओवर क्रिकेट में कमान संभाली।

2022 में धवन आखिरी बार भारतीय टीम की जर्सी में मैदान पर उतरे थे। बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज में उन्होंने तीन मैचों में 18 रन बनाए थे। इस सीरीज में फ्लॉप होने के बाद धवन की वनडे टीम में वापसी नहीं हुई। इसके बाद एक बार धवन से भारतीय टीम में चयन को लेकर सवाल भी पूछे गए थे, जिसके जवाब में उन्होंने कहा था कि शुभमन गिल टीम इंडिया में जगह डिजर्व करते हैं।

धवन ने साल 2022 में 22 वनडे में 34.40 की औसत से 688 रन बनाए थे, जिसमें छह अर्धशतक शामिल हैं। वहीं, 2020 में उन्होंने छह वनडे में 58 की औसत से 290 रन और 2021 में छह वनडे में 59.40 की औसत से 297 रन बनाए थे। 2020-2021 दोनों साल उन्होंने तीन-तीन अर्धशतक जड़े। धवन ने ओवरऑल वनडे करियर में 167 मैचों में 44.11 की औसत से 6793 रन बनाए, जिसमें 17 शतक और 39 अर्धशतक शामिल हैं।

टी20 और टेस्ट से धवन का नाता पहले ही टूट चुका था। उन्होंने भारत के लिए पिछला टी20 जुलाई 2021 और पिछला टेस्ट सितंबर 2018 में खेला था। भारत के लिए 68 टी20 में धवन ने 27.92 की औसत और 126.36 के स्ट्राइक रेट से 1759 रन बनाए थे। इसमें 11 अर्धशतक शामिल है। वहीं, 34 टेस्ट में उन्होंने 40.61 की औसत से 2315 रन बनाए। इनमें सात शतक और पांच अर्धशतक शामिल हैं।

अपने ही वादे से पलटा पाक! अधिक मैचों की मेजबानी चाहता है पीसीबी , एसीसी की बैठक में उठाएगा मुद्दा

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) रविवार (16 जुलाई) को दुबई में एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) की बैठक में एशिया कप की मेजबानी का मुद्दा एक बार फिर से उठाएगा। पीसीबी एशिया कप के अधिक मैचों का आयोजन पाकिस्तान में कराने की कोशिश करेगा। पीसीबी और बीसीसीआई सहित सभी हितधारकों द्वारा हाइब्रिड मॉडल को स्वीकार किया गया था। इसके बाद एसीसी ने बताया था कि एशिया कप का आयोजन 31 अगस्त से 17 सितंबर तक होगा।

हाइब्रिड मॉडल के मुताबिक पाकिस्तान में एशिया कप के चार और श्रीलंका में नौ मैच होने हैं। बीसीसीआई द्वारा पाकिस्तान में नहीं खेलने के फैसले के बाद इस मॉडल को प्रस्तावित किया गया था। बीसीसीआई ने साफ तौर पर बता दिया था कि दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण संबंधों के कारण वह अपनी टीम पाकिस्तान नहीं भेजेगी। पीसीबी क्रिकेट समिति के नए प्रमुख जका अशरफ एशिया कप की तारीखों की घोषणा के समय प्रभारी नहीं थे। उन्होंने एसीसी सदस्य बोर्ड के अधिकारियों को अपने इरादे स्पष्ट कर दिए हैं। वह इस सप्ताह की शुरुआत में आईसीसी बैठकों के लिए डरबन में मौजूद थे। एशिया कप का शेड्यूल 14 जुलाई को आने की खबर थी, लेकिन पाकिस्तान के टालमटोल के कारण मैचों का शेड्यूल अभी तक सार्वजनिक नहीं किया गया है। पाकिस्तान की मांग के बावजूद उसे अधिक मैच मिलने की संभावना नहीं है। पीसीबी के एक सूत्र ने समाचार एजेंसी पीटीआई से कहा, एसीसी बैठक में पाकिस्तान यह रुख अपनाएगा कि एशिया कप के नौ मैचों की मेजबानी करने वाले श्रीलंका के आयोजन स्थलों पर बारिश के मौसम के पूर्वानुमान के कारण उसे अधिक मैच मिले। पीसीबी श्रीलंका के मौसम का बहाना बनाकर चार से अधिक मैचों की मेजबानी चाहता है। एसीसी एशिया कप के कार्यक्रम को अंतिम रूप देने के लिए बैठक कर रही है। पीसीबी की भंग क्रिकेट प्रबंधन समिति के अध्यक्ष नजम सेठी द्वारा प्रस्तावित हाइब्रिड मॉडल को भारत सहित एसीसी सदस्यों ने स्वीकार कर लिया। टूर्नामेंट में भारत-पाकिस्तान के दो मैच दांबुला में होंगे। सूत्र ने कहा कि जका अशरफ सिर्फ लाहौर के बजाय और अधिक मैच चाहते हैं ताकि वे मुल्तान सहित अन्य स्थानों का भी उपयोग कर सकें। उन्होंने कहा, प्रभारी अधिकारियों ने मुल्तान में पाकिस्तान और नेपाल के बीच मैच के साथ कार्यक्रम शुरू करने की इच्छा व्यक्त की है, जहां उन्हें लाहौर की तुलना में बड़ी भीड़ की उम्मीद है।

तूर ने गोलाफेंक में फिर जीता सोना, लगातार दो बार स्वर्ण पदक जीतने वाले तीसरे एथलीट बने

बैंकाक। भारतीय गोला फेंक एथलीट तेजिंदरपाल सिंह ने शुक्रवार को यहां एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक बरकरार रखते हुए महाद्वीपीय सर्किट में अपना दबदबा कायम रखा। हालांकि दूसरे थ्रो में सर्वश्रेष्ठ प्रयास के बाद वह लंगड़ाते हुए बाहर आए। एशियाई रिकॉर्डधारी तूर ने दूसरे थ्रो में 20.23 मीटर की दूरी पर गोला फेंका। ईरान के साबेरी मेहदी (19.98 मीटर) ने रजत पदक और कजाखस्तान के इवान इवानोव (19.87 मीटर) ने कांस्य पदक अपने नाम किया। भारत के खाते में अब तक नौ पदक हो गए हैं, जिनमें पांच स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य पदक हैं। 2019 में भारत ने 16 पदक जीते थे। 28 साल के तूर तीसरे गोला फेंक एथलीट हैं जिन्होंने एशियाई चैंपियनशिप खिताब कायम रखा है। कतर के बिलाल साद मुबारक ने 1995 और 1998 तथा 2002 और 2003 में दो बार लगातार स्वर्ण पदक जीतकर यह उपलब्धि दो बार अपने नाम की है। कुवैत के मोहम्मद घारिब अल जिंकावी ने लगातार तीन बार 1979, 1981 और 1983 में पहला स्थान हासिल किया था। तूर ने पिछले महीने भुवनेश्वर में राष्ट्रीय अंतर-राज्यीय चैंपियनशिप में 21.77 मीटर के नए एशियाई रिकॉर्ड थ्रो से विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालिफाई किया था। अभी तूर की चोट की गंभीरता का पता नहीं चल सका है लेकिन यह उनके लिए चिंता का विषय हो सकती है क्योंकि एक महीने बाद बुडापेस्ट में विश्व चैंपियनशिप (17 से 27 अगस्त) शुरु हो रही है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक योगेन्द्र व्यास द्वारा इंडिपेडेंट प्रेस, 11, प्रेस कॉम्प्लेक्स, एम.पी. नगर, जोन-1 से मुद्रित, एच 71, शाहंशाह गार्डन भोपाल से प्रकाशित RNI No.: MPHIN/2022/82878
(समस्त दीवानी विवादों, न्यायिक/दाण्डिक परिवादों का क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय रहेगा।) मो. नं. 9303044337/9669353300